Mobile : 9548552330

ईश्वर दयाल–परसन्दी देवी (स्नातकोत्तर) महाविद्यालय

निकट,स्याना बस स्टैण्ड, **बुलन्दशहर (उ0प्र0) - 203 001**

(सम्बद्ध–चौ0 चरण सिंह विश्वविद्यालय, मेरठ)

स्थापना वर्ष - 1970

I.P. (POST-GRADUATE) COLLEGE

Near Siyana Bus Stand, Bulandshahr (U.P.)-203001

(AFFILIATED : C.C.S. UNIVERSITY, MEERUT)

Web: www.ipcollegebsr.in E-mail: ipcbsr@gmail.com

सन्दर्भ संख्या / Ref. No. ..... दिनांक / Date 22.04.2022

सेवा में,

ब्यूरो चीफ

अमर उजाला / दैनिक जागरण / हिन्दुस्तान / राष्ट्रीय सहारा

बुलन्दशहर।

वनस्पति विज्ञान विभाग में लगी प्रर्दशनी का उद्घाटन कॉलेज प्राचार्य डॉ0 अरविन्द कुमार व डॉ0 पूनम पालीवाल ने किया। प्रदर्शनी में वनस्पति विज्ञान विभाग के असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ0 यशवंत राय ने कई स्थानों जैसे– सुंदरवन, पश्चिम बंगाल, केरल, राजस्थान, मध्य प्रदेश, उत्तराखंड की जैवविविधता को विस्तार से बताया कि यह पर्यावरण के लिये कितनी महत्वपूर्ण है। प्रदर्शनी में तेंदु जिसको बीड़ी पत्ता के नाम से भी जाना जाता है, पीडार जिसके फूलों से अच्छी गुणवत्ता का परफ्यूम बनाया जाता है। इस पौधे को प्रदूषित मिट्टी में भी उगाया जाता है। इस पौधे पर कई प्रजाति के पंछी व मधुमक्खी अपना आश्रय लेती है, स्टरक्यूलिया विलोसा जिसे एलिफेंट रोप ट्री के नाम से भी जाना जाता है। इससे सफेद गोंद मिलता है, खिरनी जिससे मीठा फल मिलता है। यह सदा हरा भरा रहता है आदि सैकड़ों वृक्षों के बारे में डॉ0 यशवंत राय ने विस्तार से बताया धरा के लिये भी यह बहुत महत्वपूर्ण है। विद्यार्थियों को जमीनी स्तर पर किये गये पर्यावरण हित के कार्य की जानकारी दी, डॉ0 यशवंत राय व प्राचार्य डॉ0 अरविंद कुमार ने उन विद्यार्थियों को बीज दिये जो उन्हें उगाकर वृक्ष बनाने में सहयोग करेंगे, डॉ0 शिखा राजपूत ने एजोला व लेम्ना जैसे जलीय पौधों के बारे में बताया प्राचार्य डॉ0 अरविंद कुमार ने प्राकृतिक स्त्रोतों के बारे में कहा कि इनका दोहन नहीं करना चाहिए, वनों में आग लगना आम बात हो गई है। इसे नियंत्रित करने के लिये आसपास जागरूकता लानी होगी प्राचार्य डॉ0 अरविंद कुमार व डॉ0 पूनम पालीवाल ने कार्य की हरियाली को बढ़ाना होगा प्रत्येक वर्ष एक विद्यार्थी को एक वर्ष में 10 पौधे लगाने अनिवार्य है, तभी हम जीवनदायी ग्रह को बचा पायेंगे।

श्री अरविन्द कुमार

प्रचार–प्रसार प्रभारी